5. Examine how Goldberg in his writing uses the concept "systematic peer disagreement" as disagreement that is non-local, widespread, and entrenched among intellectual equals?

मूल्यांकन कीजिये कि गोल्डबर्ग अपने लेखन में "व्यवस्थित सहकर्मी असहमति" की अवधारणा का उपयोग किस प्रकार करते हैं, जो बौद्धिक रूप से समान लोगों के बीच गैर-स्थानीय, व्यापक और गहराई से स्थापित असहमति के रूप में होती है।

6. Evaluate how does Arindam Chakrabarti uses certain concepts to demonstrate that Indian philosophy is "rational" without being identical to Western Enlightenment rationalism?

इस बात का मूल्यांकन कीजिए कि अरिंदम चक्रबर्ती किस प्रकार कुछ अवधारणाओं का उपयोग करके यह प्रदर्शित करते हैं कि भारतीय दर्शन पश्चिमी प्रबोधन तर्कवाद के समान हुए बिना "तर्कसंगत" है?

7. State the reasons why Sh. DayaKrishna argues that defining Indian philosophy primarily as a "practical" or "spiritual" search for liberation, is a distortion?

उन कारणों की व्याख्या कीजिये कि श्री दयाकृष्ण यह क्यों तर्क देते हैं कि भारतीय दर्शन को मुख्य रूप से मुक्ति की "व्यावहारिक" या "आध्यात्मिक" खोज के रूप में परिभाषित करना एक विकृति है?

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 1017 **L**

Unique Paper Code : 2102104801

Name of the Paper : METAPHILOSOPHY

Name of the Course : **IV Yr. B.A (Hons.) Philosophy DSC NEP-UGCF-2022**

Semester : VIII

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt any **five** questions in all. Question no. **1** is compulsory. The rest of the four questions can be attempted from the other available options.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. कुल मिलाकर किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न संख्या **4** अनिवार्य है। शेष **चार** प्रश्नों के उत्तर अन्य उपलब्ध विकल्पों में से दिए जा सकते हैं।

3. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।

4. इस प्रश्न–पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Explain and critically examine the five possible targets of philosophical analysis discussed by Goldman.

गोल्डमैन द्वारा चर्चा किए गए दार्शनिक विश्लेषण के पांच संभावित लक्ष्यों की व्याख्या करें और उनका आलोचनात्मक परीक्षण करें।

Or / अथवा

Describe how does Alvin I Goldman's work "Philosophical intuitions: Their target, their source, and their epistemic status" defend traditional philosophical methodology against experimental skepticism while examining how intuitions, under specific conditions, function as a basic evidential source.

व्याख्या कीजिये की, एल्विन आई. गोल्डमैन की कृति "दार्शनिक अंतप्रज्ञा : उनका लक्ष्य, उनका स्रोत और उनकी ज्ञानमीमांसीय स्थिति" किस प्रकार प्रयोगात्मक संशयवाद के विरुद्ध पारंपरिक दार्शनिक पद्धति का बचाव करती है, साथ ही यह भी जाँच करती है कि विशिष्ट परिस्थितियों में अंतप्रज्ञा एक मूलभूत प्रमाणिक स्रोत के रूप में कैसे कार्य करता है।

2. Is there Progress in Philosophy? State why does Stoljar argue that we can have progress in philosophy even if a majority of philosophers still disagree on the answers.

क्या दर्शनशास्त्र में प्रगति संभव है? उन कारणों को बताईये कि क्यों स्टोलजार यह तर्क देते हैं की भले ही अधिकांश दार्शनिक अभी भी उत्तरों पर असहमत हों, फिर भी दर्शनशास्त्र में प्रगति संभव है।

3. "The lack of fixed standards encourages what I call "intra-disciplinary siloing.''- Jessica Wilson. Discuss Jessica Wilson's claims of three barriers to philosophy and how to move beyond these barriers in absence of fixed standards.

"निश्चित मानकों की कमी से वह स्थिति उत्पन्न होती है, जिसे मैं "अंतर–अनुशासनात्मक अलगाव" कहती हूँ।" – जेसिका विल्सन। दर्शनशास्त्र में आने वाली तीन बाधाएं तथा निश्चित मानकों की अनुपस्थिति में इन बाधाओं को कैसे पार किया जा सकता है, जेसिका विल्सन के दावों पर चर्चा कीजिये।

4. Is conceptual engineering a viable solution for the challenges of experimental Philosophy? State the claims of Horvath and Koch as discussed in 'Is Philosophical Knowledge Possible?'

क्या अवधारणात्मक अभियांत्रिकी प्रयोगात्मक दर्शन की चुनौतियों का एक व्यवहार्य समाधान है? 'क्या दार्शनिक ज्ञान संभव है?' में वर्णित होरवाथ और कोच के दावों को स्पष्ट कीजिये।